>

Title: Regarding dissatisfaction amongst farmers of Vidarbha region in view of waive off of loans by the Government.

श्री हरिभाऊ राठौड़ (यवतमाल): सभापति महोदय, विदर्भ के किसानों को ऋणमुक्ति का फायदा नहीं हुआ है, यह मैंने बार-बार बताया है। केवल 30 परसेंट किसानों को ही इसका फायदा मिला है और 70 परसेंट किसान आज भी उससे वंचित हैं। मैं अभी-अभी माननीय वित्त मंत्री जी का भाषण सुन रहा था, मुझे लगा कि इसके बारे में वे कुछ कहेंगे, लेकिन जो क्लैरीफिकेशन मिला है, उसमें मैंने जो क्वैरी की थी कि यहां जो 30 परसेंट और 70 परसेंट का मामला है, वह क्लैरीफाई नहीं हुआ है। आपकी मंशा अच्छी है, फिर भी वित्त मंत्री जी, आप स्कीम बनाने में फेल रहे हैं। मैंने पहले भी बताया था कि एक तो 50 हजार रुपया सब को दे दो या एक लाख रुपया हर किसान को दे दो, लेकिन जो स्कीम बनाई गई है, वह स्कीम गलत बनाई गई है। लोग बोलते हैं कि यह इलैक्शन का एजेण्डा है और इलैक्शन के लिए आपने कर दिया होगा तो वह भी तो आप ठीक करें। अगर यह इलैक्शन के लिए है तो 70 परसेंट किसान अगर आपसे नाराज रहेंगे तो आप इलैक्शन कैसे जीतेंगे, लेकिन वह भी नहीं है। यह टोटली गलत हो रहा है, इसलिए इसे आप थोड़ा और रिवाइज़ कर सकते हो।...(व्यवधान) आप इसे अभी भी कर सकते हो, क्योंकि अभी-अभी जो क्लैरीफिकेशन मिला है, वह ओवरड्यू के बारे में, ड्यू के बारे में कब करेंगे, इतना ही मिला है, लेकिन जो फायदा गरीब किसानों को होना है, वह नहीं हो रहा है।

मेरी सरकार से इतनी ही रिक्वैस्ट है कि अभी भी आप इसे रिवाइज़ कर सकते हो। अगर फायदा लेना है तो सोचिये, नहीं तो हमें रास्ते पर आकर आपसे झगड़ा करना पड़ेगा।